प्रेस सारांश

कार्यालय भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

नई दिल्ली
दिसंबर 6, 2019

संसद में प्रस्तुत मार्च 2018 में समाप्त वर्ष के लिए संघ सरकार (रक्षा सेवाएँ) आयुध फैक्ट्रियां पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

संघ सरकार (रक्षा सेवाएँ) की 2019 की लेखा परीक्षा प्रतिवेदन सं॰ 15 को संसद भवन के दोनों सदनों पर 6 दिसंबर 2019 को प्रस्तुत कर दिया गया है। इस रिपोर्ट में रक्षा मंत्रालय के रक्षा उत्पादन विभाग के अंतर्गत आयुध फैक्ट्री संगठन के वित्तीय लेन-देन के लेखा परीक्षा के परिणाम निहित हैं। यह प्रतिवेदन तीन अध्यायों में विभाजित है। प्रतिवेदन के अध्याय वार आवश्यक लेखा परीक्षा निष्कर्षों को संक्षेप में नीचे दर्शाया गया है:

अध्याय I: वर्ष 2017-18 के लिए आयुध फैक्ट्री बोर्ड का कार्य निष्पादन

आयुध फैक्ट्री बोर्ड (ओ॰एफ॰बी) ने मुख्यत: अपने राजस्व व्यय और पूंजीगत व्यय के लिए 2017-18 में क्रमश: ₹14,793 करोड़ और ₹804 करोड़ का बजटीय अनुदान प्राप्त किया।

ओ॰एफ॰बी ने 2017-18 में अपने विभिन्न मांगकर्ताओं को ₹14,251 करोड़ की सामग्रियों की आपूर्ति की। भारतीय थल सेना आयुध फैक्ट्रियों के उत्पादों का प्रमुख मांगकर्ताहै, जो कुल आपूर्तियों का लगभग 80 *प्रतिशत* है। फैक्ट्रियों ने 49 *प्रतिशत* के वस्तुओं के लिए ही उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त किया था। 31 मार्च 2018 तक कुछ प्रमुख गोला-बारूद वस्तुओं के लिए थल सेना को आवश्यक परिमाण की मांग बकाया रही, अत: इस प्रकार से उनकी क्रियाशील तत्परता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया। इसके अतिरिक्त ओ॰एफ़॰बी॰ द्वारा निर्यात 2016-17 की तुलना में 2017-18 में 39 *प्रतिशत* कम रहा।

ओ॰एफ॰बी के पास 2017-18 में इनवेंटरी थी जो उत्पादन लागत के 73 *प्रतिशत* का प्रतिनिधित्व करती है। इनवेंटरी का 52 *प्रतिशत* स्टोर-इन-हैंड था जिसमें से 14 *प्रतिशत* निष्क्रिय भंडार था। कुल इनवेंटरी का 32 *प्रतिशत* का गठन वर्क-इन-प्रोग्रेस है जो कि चिंता का विषय है। डबल्यू॰आई॰पी॰ का उच्च धारिता बकाया उत्पादन आदेशों के कारण था जिसमेंसबसे पुराना 2009-10 का अनिर्णीत आदेश है।

अध्याय II: 2013-14 से 2017-18 की अवधि के लिए ओ॰एफ़॰ के जांच परीक्षण पर आधारित "आयुध फैक्ट्रियों में फ्यूजों का उत्पादन" पर कार्य निष्पादन लेखा परीक्षा

वांछित समय और स्थान पर सुरक्षित और विश्वसनीय विस्फोट को प्रदान करने के लिए फ्यूज़ गोला-बारूद का एक आवश्यक और महत्वपूर्ण हिस्सा है।

आयुध फैक्ट्रियों मेंथल सेना द्वारा गोला-बारूद की आवश्यकता को पूरा करने के लिए खाली और भरे हुए फ्यूज़ के लिए उत्पादन क्षमता (पूरक फैक्ट्रियाँ खाली फ्यूजों में विस्फोटक भरते हैं और पूर्ण गोला-बारूद का निर्माण करने के लिए उसे अन्य कंपोनेन्ट्स के साथ एकत्रित करते हैं) पर्याप्त नहीं थी। इन-हाउस उत्पादन के साथ-साथ व्यवसाय स्रोतों से खाली फ्यूज़ के उपलब्धता और आयुध फैक्ट्रियों में उनकी भरने की क्षमता बेमेल थे।

आठ प्रकार के खाली फ़्यूज़ के लिए उत्पादन में प्रमुख कमी मुख्य रूप से सामग्री की कमी और गुणवत्ता के समस्याओं के कारण देखी गई थी। मार्च 2018 तक उपयोगकर्ताओं को संबंधित गोला-बारूद / अतिरिक्त भरे हुये फ़्यूज़ की आपूर्ति में कमी आई, जिससे उपयोगकर्ताओं के स्टाक में सात प्रकार के गोला-बारूद (32से 74 *प्रतिशत* तक) और पाँच प्रकार के अतिरिक्त फ़्यूज़ (41से 94*प्रतिशत*) की कमी हो गई।इसके अतिरिक्त फ्यूज़ की अनुपलब्धता के कारण, थल सेना के पास विभिन्नगोला-बारूद का स्टॉकजिसकी कीमत ₹403.27 करोड़ रुपये थी, अनुपयोगी पड़ा था।

फैक्ट्रियों और गुणवत्ता आश्वासन एजेंसियों द्वारा निर्माण प्रक्रिया के दौरान अपर्याप्त गुणवत्ता जांचके कारण खाली फ्यूज़ और भरे हुये फ्यूज़ की वापसी और अस्वीकृति अधिक मात्रा में हुई थी।उपयोगकर्ता की तरफ से छ: गोला-बारूद से संबंधित 18 दुर्घटनाएं देखी गईं, जो मूल रूप से फ़्यूज़ संबंधित दोषों/ समस्याओं के कारण हुईं।

बुनियादी ढांचे और क्षमता की कमी के कारण इलेक्ट्रॉनिक फ़्यूज़ की थल सेना की आवश्यकता को ओ°एफ़°बी° पूरा नहीं कर सका।थल सेना को इलेक्ट्रानिक कार्पोरेशन आफ इंडिया लिमि° (ई°सी°आई°एल) और भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमि° (बी°ई°एल) पर 2013-14 से 2017-18 तक इलेक्ट्रॉनिक फ़्यूज़ (मूल्य ₹1,511 करोड़) के लिए आदेश देना पड़ा।

अध्याय III में दो थिमैटिक लेखा परीक्षा और कुछ अनुपालन मामलों के निष्कर्ष निहित हैं।

ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम की कार्यपद्धति (सितंबर 2011 में शुरू किया गया)

क्रय नियमावली में उल्लेखित नियम और प्रक्रियाओं का पूर्ण रूप से पालन उनके ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम में नहीं किया जा रहा था। पारदर्शी बोली लगाने को सुनिश्चित नहीं किया जा पा रहा था चूंकि एक मशीन से कई बार बोली लगाने की प्रस्तुति तथा विभिन्न निविदाओं के बहुउपयोगकर्ताओं द्वारा डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण-पत्र के दृष्टांतों को नोटिस किया गया था।

इस ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम में ड्यूप्लीकेट ई-मेल आई°डी/वैकल्पिक ई-मेल आई°डी/फोन नंबर, अमान्य पैन और फोन नंबर आदि को कैपचर करने के लिए उचित नियंत्रण में कमी थी। इसके अतिरिक्त चूंकि एक ही फर्म जो डेवेलपर के साथ-साथ ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल की देख-रेख करने वाली एजेंसी भी है, निजी कंपनी द्वारा रक्षा संगठन के डाटाबेस का दुरुपयोग होने का जोखिम भी है।

(पैराग्राफ 3°1)

आयुध फैक्ट्रियों में बैंक खातों का संचालन

आयुध फैक्ट्रियों ने हस्तचालित प्रक्रियाके द्वारा आंशिक रूप से सरकारी राशि के भुगतान तथा प्राप्तियों को जारी रखा। यह ई-भुगतान करने के लिए महालेखा नियंत्रक (अगस्त 2012) और ई-चालान (एम°आर°ओ) के द्वारा सरकारी खाते में सरकारी प्राप्तियों को जमा करने के लिए महानियंत्रक रक्षा लेखा (अगस्त 2016) के निर्देशों का उल्लंघन था।इसके कारण2015-16 से 2017-18 के दौरान सरकारी खातों में कर्मचारियों को भुगतान करने में तथा सरकारी प्राप्तियों को जमा करने में अधिक विलंबहुआ।31 मार्च 2018 तक सरकारी पैसा 60 बैंक खातों *यथा* सरकारी खातों के बाहर जमा रहा (₹154°41 करोड़)। फैक्ट्रियों ने रोकड़ बही शेष और बैंक पास बुक में सामंजस्य बनाए रखने में उचित कदम नहीं उठाया। इसके अलावा बैंक खाते में निधि को

इकट्ठा करना जोखिम से भरा हुआ है जैसा कि राइफल फैक्ट्री, इशापुर में उन्हीं के कर्मचारियों द्वारा ₹6°56 करोड़ के गबन में देखा गया।

(पैराग्राफ 3°2)

मुख्य अनुपालन मामले:

थल सेना को दोषपूर्ण गोला-बारूद का प्रतिस्थापन देने से ओ°एफ़,बडमल द्वारा ₹62°10 करोड़ की हानि

थल सेना ने आयुध फैक्ट्री, बडमल (ओ°एफ°बी°एल.) द्वारा आपूर्ति किए गए (मार्च 2009/मार्च 2010) गोला-बारूद से उनके शेल्फ लाइफ के भीतर विस्फोटक के स्त्राव को रिपोर्ट किया। यह निर्दिष्ट रेंज से टी°एन°टी° के निम्न सेट पायेंट (मेल्टिंग पायेंट) के कारण था। गुणवत्ता आश्वासन नियंत्रक (सी°क्यू°ए) के विशिष्टिकरण में इसप्रकार के प्रावधान के अभाव में शेल को भरने से पहले ओ°एफ°बी°एल. में टी°एन°टी° के सेटपाएंट मूल्य का परीक्षण नहीं किया गया था। आयुध फैक्ट्री द्वारा दोषपूर्ण गोला-बारूद के प्रतिस्थापना के कारण ₹62.10 करोड़ की हानि हुई।

(पैराग्राफ 3°5)

ओ°एफ़, चन्दा में ₹21°46 करोड़ की लागत से शेल फिलिंग मशीन की विचारहीन खरीद

गोला-बारूद की उपलब्ध भरण क्षमता के सापेक्ष थलसेना की आवश्यकता के अनुचित मूल्यांकन से ओ°एफ चन्दा में एक स्क्रू फिलिंग मशीन की विचारहीन खरीद हुई। मशीन जनवरी 2017 में प्राप्त हुई थी और दिसंबर 2018 तक मशीन को टिकाने में उसे पूरी तरह न बनाने के कारण अन्य गोला-बारूद के पोर फिलिंग में लिप्त अन्य शाप में दिसंबर 2017 में स्थापित हुई। ₹21.46 करोड़ के मूल्य की मशीन दिसंबर 2017 में अपने चालू होने के बाद से निष्क्रिय है।

(पैराग्राफ 3°6)

BSC/SS/TT